उज्जैन जिले के आनन्दको द्वारा 'मिल-बाँचे मध्यप्रदेश' कार्यक्रम (२६ अगस्त २०१७) में सक्रिय भागीदारी से जिले के बच्चे हुए आनंदमय

"मिल-बाँचे मध्यप्रदेश कार्यक्रम" (२६ अगस्त २०१७) में **शासकीय माध्यमिक विद्यालय, महाकाल मैदान-उज्जैन (म.प्र.)** में जाने का मौका मिला बच्चों के संग हमे भी फिर से बच्चा बनने का अवसर की एक सुखद अनुभव मिला आपने खुद के वो बचपन के दिन फिर से ताजा हुए पर इस बार कई नए जीवन अनुभव भी साथ थे की हमारी यहाँ तक की यात्रा कैसे पूरी हुई कैसे एक गरीब ग्रामीण कृषक आदिवासी का बच्चा प्रधान वैज्ञानिक बनने तक की लगन और मेहनत का सफर तय किया ! विद्यार्थी वो कौन सी जीवन शैली आपनाये ताकि सबसे गरीब और समाज की सबसे अंतिम पंक्ति के लोग भी विकास की मुख्यधारा में आ सके ! बच्चो को प्रेरित करने और सपने देख कर उन्हें पूरा करने की लगन और मेहनत सही दिशा में हो तो हर कठिनाई के बावजूद आप अपनी मंजिल पर पहुंच सकते है ! अभी इस बचपन और विद्यार्थी समय में हम जो पक्का करले वो जीवन के सही समय तक उसे पा सकते है ! आज कल हर कोई अच्छी पढ़ाई करते है पर अच्छी आदत और सकारात्मक रवैया एवं माता पिता गुरुजन के मार्गदर्शन से हर सपने पुरे कर सकते है !

पढ़ाई में पाद्य पुस्तक को गहनता से समझ कर पड़े, समय और निरंतरता का बहुत महत्व होता है जीवन के हर काम में समय को साधने का हमेशा प्रयाश करे, समय पर उठे समय पर स्कूल जाये, समय पर खाना-पीना खेलना-कूदना और समय पर सोना एवं कोसिस करे ज्यादातर आपने खुद के काम स्वयं करे ! और दुसरो की मद्त जरूर करते रहे !

सच में आज 'मिल-बाँचे मध्यप्रदेश' कार्यक्रम का खूब आनंद लिया बाहर सारे नए मित्र भी बने, ये आज का दिन सार्थक हुआ सा महसूस हुआ.....

आज के कार्यक्रम में स्कूल के **प्राचार्य श्री राघवकीर्ति जी, स्कूल के समस्त शिक्षकगण** एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले **अन्य साथी श्री कमलेश मीणा जी, डॉ श्वेता फरक्या, श्रीमती सपना गोठवाल एवं श्रीमती अनामिका दुबे जी** का सहयोग रहा ! **मध्यप्रदेश शासन द्वारा उपलब्ध कराये गए एक अच्छे अवसर के लिए हृदय से बहुत बहुत साधुवाद !!!!!**

(शैलेन्द्र सिंह डाबी- Shailendra Singh Dabi)
प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी
उज्जैन तारामंडल, अंतरिक्ष परिसर, सेक्टर- सी , वसंत विहार उज्जैन